ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 26 | अंकः 41 | बुलेटिन अवधिः 31 मई–4 जून, 2017 | दिनः मंगलवार | दिनाँकः 30 मई, 2017

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर **कृषि मौसम विज्ञान विभ्चााग** में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	31–05–2017	01–06–2017	02–06–2017	03–06–2017	04–06–2017
वर्षा (मिमी0)	8	8	5	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	23	24	24	25	26
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	12	12	13	13	14
बादल आच्छादन	मध्यम बादल	मध्यम बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	85	80	75	75
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	45	40	35	35
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	08	08	06	08	12
वायु की दिशा	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम

आगामी 31 मई से **2 जून** तक **हल्की वर्षा होने तथा आसमान में आंशिक से मध्यम बादल छाये रहने की सम्भावना है।**

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (**23** से **29 मई** 2017 सुबह 8:30 तक) में आसमान साफ रहने के साथ आंशिक बादल छाये रहे व 30.6 मि0मी0 वर्षा हुई तथा अधिकतम तापमान 21.0 से 25.7 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 9.7 से 14.8 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल प्रबन्धः

- ❖ धान की रोपाई हेतु नर्सरी के लिए खेत की मेढ़ बन्दी करें।
- ❖ जून के प्रथम सप्ताह तक नर्सरी अवश्य डाल लें।
- ❖ नर्सरी हेतु धान के शुद्ध बीज का प्रयोग करें।

❖ कीड़े–मकोड़े हेतु फसल सुरक्षा की व्यवस्था करे।

उद्यान प्रबन्धः

❖ मध्यम ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में सेब के फलों को सड़ने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स नामक दवा का 10 पीपीएम छिड़काव करें
❖ आड़ू, प्लम, खुमानी की अगेती किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
❖ ऊँचें पर्वतीय क्षेत्रो में फूलो के पॅखुड़ियो के झड़ने की अवस्था पर स्कैब रोग नियंत्रण हेतु कार्बन्डाजिम 0.05 प्रतिशत का प्रयोग करे।
❖ घाटी क्षेत्र में आलू,प्याज एवं लहसून की फसल यदि तैयार हो खुदाई करें।
❖ घाटी क्षेत्र में फ्रासबीन कीहरी फलियों की तुड़ाई करें।
❖ घाटी क्षेत्र में टमाटर एवं शिमलामिर्च की खड़ी फसल में कीट नियंत्रण हेतु मेलाथियान 15मिली./10 लीटर पानी में घोलकर तथा झुलसा रोग के रोकथाम हेतु मैन्कोजेब 20 ग्राम दवा 10 लीटर पानी में घोलकर दिन के समय छिड़काव करें। ध्यान रहे की धूप पर्याप्त मात्रा में हो।
❖ मध्यम ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो में आलू की खड़ी फसल में झुलसा रोग नियंत्रण हेतु मैन्कोजेब रसायन का छिड़काव करें।
❖ फ्रासबीन एवं लोबिया में पत्ते सिकुड़ने की दशा में किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करे।
❖ कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 किग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
❖ भिण्डी की फसल में पत्तियों की नसे यदि पीली पड़ रही हो तो ऐसे पौधो को निकालकर नष्ट कर दे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण के लिए किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करें।
❖ मिर्च एवं टमाटर की उपरी पत्तियो पर बारीक चितकबरे धब्बे दिखाई देने पर सर्वांगी कीटनाशी का 10 से 15 दिन के अन्तराल पर नियमित छिड़काव करे।

पशुपालन प्रबन्धः

❖ नाइट्रेट विषाक्तता होने पर पशु की श्वसन एवं नाड़ी दर बढ़ जाती है एवं सांस लेने में कठिनाई, मॉसपेशियों में ऐंठन व कमजोरी आ जाती है। इससे बचाव हेतु मेथिलीन ब्लू के 1 प्रतिशत विलयन की 50–100 मि0ली0 मात्रा सीधे ही नस में देना चाहिए।
❖ सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे।
❖ छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।
❖ गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॅान अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयो का छिड़काव समय समय पर कराते रहे।
❖ विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन नही कर पाती जिससे उनके आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी आ जाती है। और उनका उत्पादन प्रभावित होता है। अतः विदेशी गायो का उत्पादन बनाये रखने तथा बीमारियो से बचाव हेतु गौशाला के अन्दर तापमान नियंत्रण हेतू शीतल यंत्र जैसे पंखा, कूलर अथवा आधुनिकतम शीतल यंत्र की व्यवस्था करे।
❖ अगर पशु लू के प्रकोप का शिकार हो जाए तो पास के पशु चिकित्सक से मिलकर उसका तुरन्त उपचार करायें।
❖ पशुओं को स्वच्छ, ताजा एवं ठंडा जल दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) पिलाना चाहिए। यदि पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद हो तो उसकी चमड़ी के तापमान एवं मौसम के तापमान में सामंजस्य बना रहता है एवं पशु को लू भी नहीं लगती।
❖ गर्मी से बचाने हेतु पशुओं को संतुलित आहार जिसमें सभी पोषक तत्व प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण तथा विटामिन्स उचित मात्रा एवं उचित अनुपात में उपस्थित हों, देवें। सूखे चारे के साथ हरा चारा एवं दाना अवश्य दें।

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विष्वविद्यालय, पन्तनगर